नमाज़ के अंदर पढ़ी जाने वाली

दुआओं की किताब

दुआए नमाज़

लेखक:

नासिर मनेरी

प्रकाशक:

मनेरी फाउन्डेशन, इंडिया

मोबाइल न. 8178180399, ई-मेल: nasirmaneri92@gmail.com

नमाज़ की दुआएँ व तर्जमे

सना :

सुब्हा-न-क अल्लाहु-म्म व बिहम्दि-क व तबा-रकस्मु-क व-तआला जद्दु-क वला इला-ह ग़ैरु-क|

तर्जमा :

ऐ अल्लाह! तू हर बुराई से पाक है, सारी ख़ूबियाँ तेरे लिए हैं, तेरा नाम बरकत वाला है, तेरा मर्तबा बुलन्द है, तेरे सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं|

रुकू में पढ़ने की दुआ :

सुब्हा-न रब्बियल अज़ीम|

तर्जमा : मेरा बुज़ुर्गियों वाला रब सारी बुराइयों से पाक है|

रुकू से उठने की दुआ :

समिअल्लाहु लिमन हमिदह/ रब्बना लकल हम्द|

तर्जमा : अल्लाह ने उसकी सुन ली, जिसने उसकी हम्द की/ ऐ मेरे रब सारी तारीफ़ेण तेरे ही लिए हैं|

सजदे में पढ़ने की दुआ :

सुब्हा-न रब्बियल आला|

तर्जमा : मेरा बुलंदियों वाला रब सारी बुराइयों से पाक है|

तशह्हुद :

अत्तहिय्यातु लिल्लाहि वस्स-ल-वातु वत्तय्यिबातु वस्सलामु अलै-क अय्युहन्नबिय्यु व-रह-मतुल्लाहि व-ब-रकातुहु अस्सलामु अलैना व-अला इबादिल्लाहिस सालिहीन, अश-हदु अल्लाइला-ह इल्लल्लाहु व-अश-हदु अ-न्न मुहम्मदन अब्दुहू व रसूलुहू|

तर्जमा :

तमाम इबादतें, नमाज़ें और पाकियाँ अल्लाह के लिए हैं, ऐ नबी! आप पर सलाम, अल्लाह की रहमत और बरकत हो, सलामती हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर, मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक़ नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) अल्लाह के बंदे व रसूल हैं|

दुरूद शरीफ़ :

अल्लाहु-म्म सल्लि अला मुहम्मदिँव वअला आलि मुहम्मदिन कमा सल्लै-त अला इब्राही-म वअला आलि इब्राही-म इन्न-क हमीदुम मजीद, अल्लाहु-म्म बारिक अला मुहम्मदिँव वअला आलि मुहम्मदिन कमा बारक-त अला इब्राही-म वअला आलि इब्राही-म इन्न-क हमीदुम मजीद|

तर्जमा :

ऐ अल्लाह! जिस तरह तू ने हज़रत इब्राहीम और उनकी औलाद पर दुरूद भेजा, उसी तरह हज़रत मोहम्मद और उनकी औलाद पर दुरूद भेज, यक़ीनन तू तारीफ़ व बुज़ुर्गी वाला है, ऐ अल्लाह! जिस तरह तू ने हज़रत इब्राहीम और उनकी औलाद पर बरकत भेजी, उसी तरह हज़रत मोहम्मद और उनकी औलाद पर बरकत भेज, यक़ीनन तू तारीफ़ और बुज़ुर्गी वाला है|

दुआए मासूरह :

अल्लाहुम्मग़ फिरली वलि वालिद-य्य वलिमन तवा-ल-द वलिजमीइल मुअमिनी-न वल मुअमिनात वल-मुसलिमी-न वल-मुसलिमात अल-अहयाइ मिनहुम वल-अमवात इन्न-क मुजीबुद दअवात बिरहमति-क या अर-हमर्राहिमीन|

तर्जमा :

ऐ अल्लाह! मुझे, मेरे माँ-बाप को, मेरी औलाद को, सारे ज़िंदे, मुर्दे, मोमिन, मुस्लिम, मर्द व औरत को बख़्श दे, यक़ीनन तू ही दुआएँ क़बूल करने वाला है, ऐ सबसे ज़्यादा रहम करने वाले! ये तेरी रहमत से है|

दुआए क़ुनूत :

अल्लाहु-म्म इन्ना नस्तईनु-क व नस्तग़फ़िरु-क व नुअमिनु बि-क व न-तवक्कलु अलै-क व नुसनी अलैकल ख़ैर व नशकुरु-क वला नकफ़ुरु-क व नख़-लउ व नतरुकु मँय यफ़जुरु-क अल्लाहु-म्म इय्या-क नअबुदु व-ल-क नुसल्लि व नसजुदु वइलै-क नसआ वनहफ़िदु वनर्जू रहम-त-क वनख़शा अज़ा-ब-क इ-न्न अज़ाब-क बिल कुफ़्फ़ारि मुलहिक़|

तर्जमा :

ऐ अल्लाह! हम तुझ से मदद और बख़्शिश चाहते हैं, तुझ पे ईमान और भरोसा रखते हैं, भलाई के साथ तेरी तारीफ करते हैं, तेरा शुक्र करते हैं, ना शुक्री नहीं करते, जो तेरी ना-फरमानी करता है उसे हम दूर करते और छोड़ते हैं, ऐ अल्लाह! हम तेरी ही इबादत करते हैं, तेरे लिए नमाज़ पढ़ते हैं, तुझ को सजदा करते हैं और तेरी तरफ कोशिश करते हैं, तेरी रहमत के उम्मीदवार हैं और तेरे अज़ाब से डरते हैं, यक़ीनन तेरा अज़ाब कुफ़्र करने वालों को पहुँचने वाला है|